The day has arrived...
When the moon appears bright,
And the stars too rejoice...
Yes, it is
Manavta Mahotsav!

Year - 9, Vol: 8, Issue: 04, Date: 25.09.2016
Editor: Ashokbhai Sheth 20, Vanik Niwas, 1st floor, Cama Lane, Ghatkopar (West), Mumbai - 400 086.

भगवान का समवसरण इतना भव्यातिभव्य क्यों होता है? जब की परमात्मा ने सोना चांदी, जवेरात, वस्त्र आदि का त्याग किया है। फिर यह सोने चांदी से बने समवसरण की क्या आवश्यकता? क्या परमात्मा को यह सब मोहीत करता है?

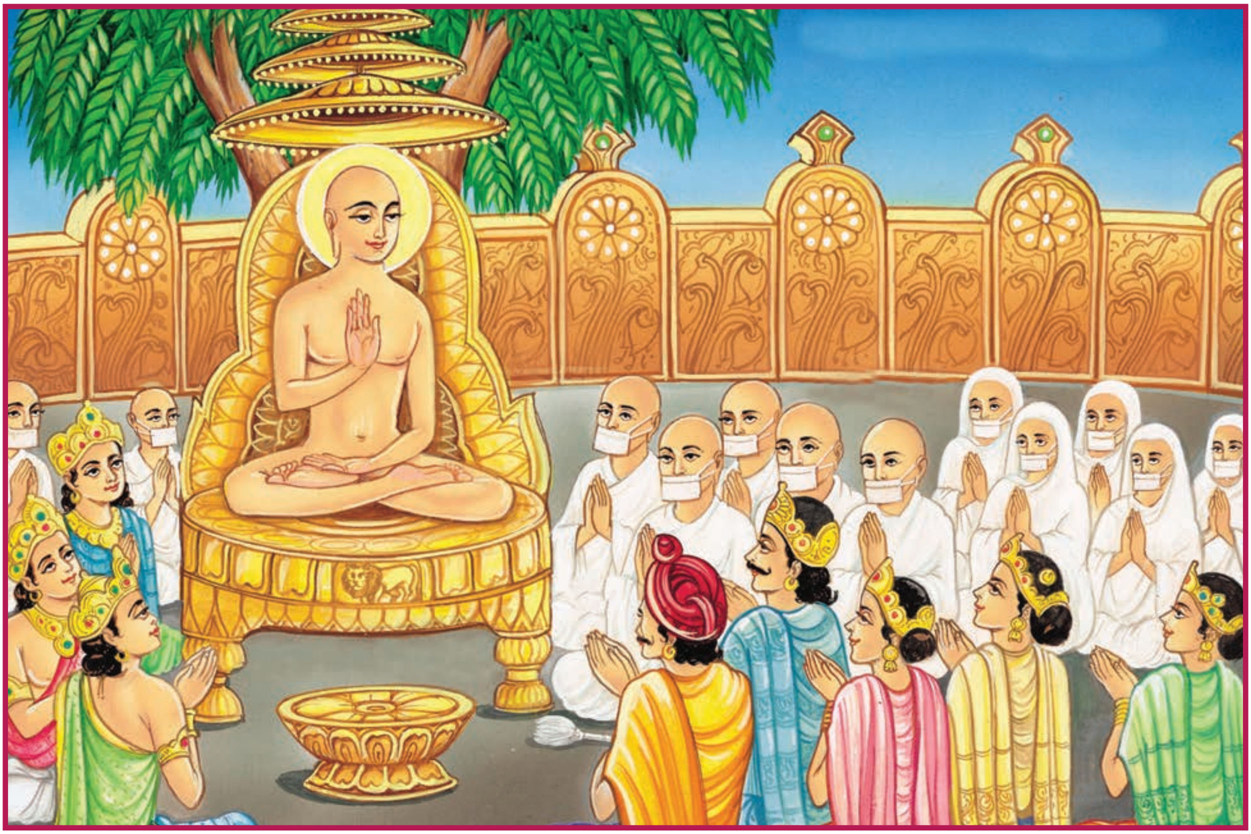

नहीं... परमात्मा इन सबसे श्रेष्ठ है। उन्हें इसकी कोई आवश्यकता नहीं है।

आम आदमी परमात्मा के अद्भूत समवसरण को देखकर, आकर्षित होकर वहाँ आते है और धर्म करने की प्रेरणा पाते है, सत्कार्य करने की प्रेरणा पाते है। उनके जीवन में परिवर्तन आता है। मैत्री, करुणा, सहनशीलता जैसे सद्गुण प्राप्त होते है।

परमात्मा की ऐसी भावना होती है की, जो उन्होंने पाया है, वह सभी को प्राप्त हो। इसलिए हम भी हमारे पूज्य गुरुदेव का जन्मदिन दुसरों को धर्म की प्रेरणा मिले इसलिए मनाते है।

तो आओ बच्चों, हम पूज्य गुरुदेव का जन्मदिन "मानवता महोत्सव" के रुप में मनाए।

Cheque or Draft:
Arham Yuva Group

Parasdham
Vallabh Baug Lane, Tilak Road,
Ghatkopar (E), Mumbai - 77

Subscription for 10 years:
India : Rs. 1000/-
Abroad : Rs. 5000/-

Story Time

विहान (Vihaan)

प्रीत (Preet)

विहान और प्रीत अच्छे मित्र थे। दोनो हररोज साथ में खेलते और पढ़ते भी थे।

There were 2 kids Vihaan and Preet. They were best friends. They used to study, play and eat together.

एक दिन स्कुल में project competition में दोनों को first prize मिला। विहान को maths project में और प्रीत को science project में स्कुल की तरफ से Rs. 10,000/- ईनाम में मिले। वह दोनो बहोत खुश थे और उन्होंने अपने रुपये साथ मिलकर खर्च करने का फैसला किया।

Once in a school project competition, they both won first prize in Maths and Science respectively. They both received a cash voucher of Rs. 10,000/- each from their Prinicipal for winning this competition. They both were very happy and decided to spend the money together so they both met after their school time to plan how to spend the money.

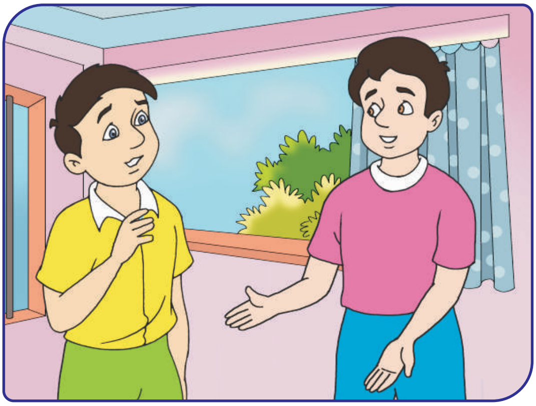

विहान : प्रीत! अभिनंदन, Science project में विजयी बनने के लिए।

Vihaan : Preet! Congratulations, to you for winning Science project competition.

प्रीत : विहान! तुम्हें भी अभिनंदन Maths project में अव्वल आने के लिए।

Preet : Vihaan! Wish you the same for winning Maths project competition.

विहान : तो प्रीत चलो हम कल shopping करने जाते है। हम बड़े mall में जाऐंगे। जहाँ हमें एक छत के नीचे सभी चिजें मिल जाएगी।

Vihaan : So Preet, let's go tomorrow for shopping. We will go to that Big mall where we will get all nice and fashionable stuff for ourselves under one roof.

प्रीत : नहीं विहान, मैंने कुछ अलग सोचा है। मैं इन रुपयो का सद्उपयोग करना चाहता हूँ। मैं इन रुपयो को अपने लिए खर्च नहीं करना चाहता।

Preet : No Vihaan, actually I have some different idea. I want to use it for some good purpose. I really don't wish to spend this money for myself.

विहान : तो फिर?

Vihaan : Then?

प्रीत : यह September महिना हमारे लिए महत्व का है। इस महिने में मेरे पूज्य गुरुदेव का जन्मदिन आता है और मेरा भी। इस बार मैं कुछ सत्कार्य करने की भावना रखता हुँ।

Preet : The month of September is very special for us . In this month it is my Pujya Gurudev's Birthday and my birthday too. This time I am fortunate enough that I have money with me to help some needy by using it for a noble cause.

विहान : सत्कार्य?

Vihaan : Noble cause?

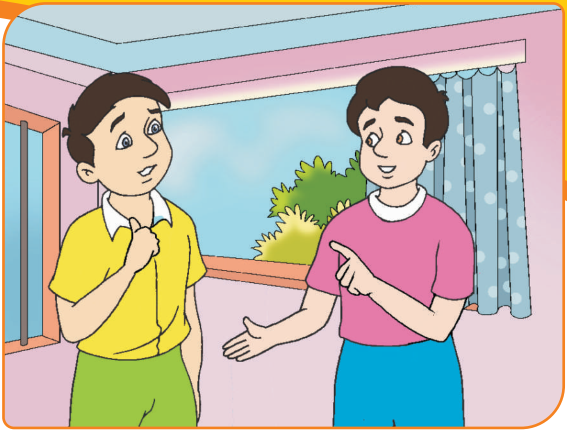

प्रीत : हाँ! मेरे गुरुदेव हमेंशा कहते है "दुसरों को खुशी देने से खुशी मिलती है।" रुपये खर्च करते समय हमें पहले उन गरीबों के बारे में भी सोच लेना चाहिए जीन्हें खाने के लिए भी कुछ नहीं मिलता।

Preet : Yes my Gurudev always says, "We get happiness by giving happiness" before spending money, we should always think of the less fortunate people who are struggling to fulfill their basic necessities.

विहान : मुझे एसे लग रहा है, हमे mall में ज्यादा मझा आएगा।

Vihaan : I think mall is going to be more enjoyable.

प्रीत : नहीं विहान यह मेरे से नही होगा।

Preet : No Vihaan thats not my choice I am sorry.

विहान : ठीक है! हम दोनों अपने तरीके से रुपये खर्च करते है और दो दिन के बाद मिलते है तब हम देखेंगे किसे ज्यादा खुशी मिलती है?

Vihaan : Ok then! Let us both spend the money in our own way. We will meet after 2 days. Let's see who is the most happiest.

प्रीत : ठीक है, देखते है।

Preet : Ok fine, let's see.

"विहान और प्रीत दोनो अपने रास्ते निकलते है।
दोनो खुश है की उन्हें अपने मन से रुपये खर्च करने का मौका मिला।"

"Both Preet and Vihaan part ways to spend money.
Both were equally happy as they got a chance to
spend money as per their wish".

दो दिन में...

प्रीत ने पूज्य गुरुदेव की प्रेरणा से रुपये सत्कार्य में खर्च करने का सोचा, जिससे दुसरों की जिंदगी में खुशीयाँ आ सके।

With Pujya Gurudev's inspiration Preet thought of spending money in a way in which he would make a difference in others life. He also went to a mall below is a list of things he bought.

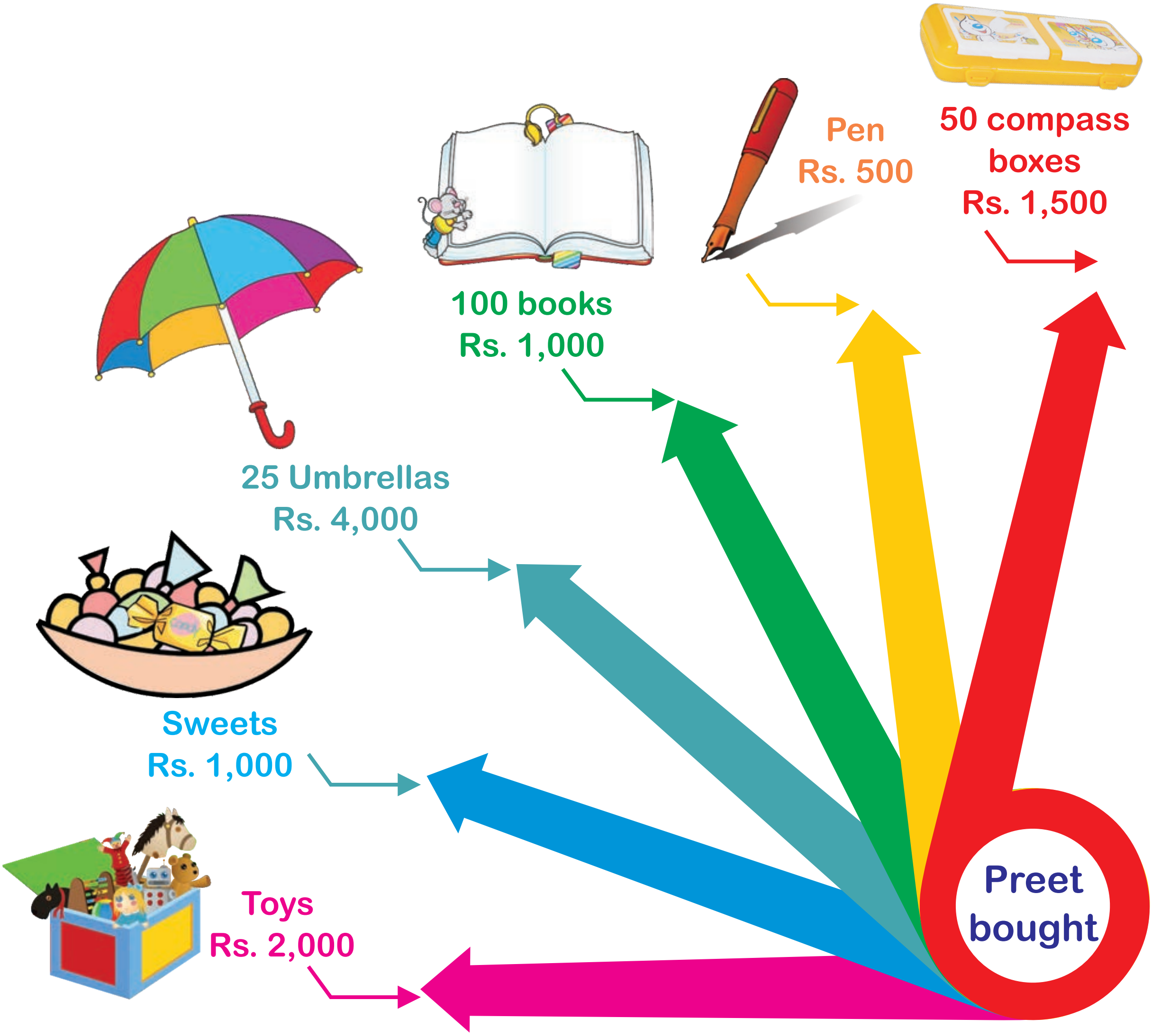

In 2 days...

विहान mall में जाता है और सब branded चीजें खरीदता है।

Vihaan went to a mall, he purchased branded things to satisfy his wants and needs.

Leather Jacket
Rs. 3,000

Imported Chocolate
Rs. 500

Shampoo
Rs. 500

Pearl Pendent
Rs. 4,000

Sweets:
Rs. 1,000

Furry Pillow
Rs. 1,000

Vihaan bought

प्रीत यह सब चीजें लेकर अनाथ आश्रम गया और वहाँ गरीब बच्चों को भेंट दी। यह सब चीजें पा कर बच्चें बहुत खुश हुए। प्रीत ने उनके साथ अच्छा समय बिताया और खाना भी खाया। खुशीयाँ बाँटते बाँटते प्रीत के जीवन में भी खुशीयों की लहर खील उठी।

Preet took all the materials to an orphanage and gifted them the above items. On receiving the gifts, the kids at the orphanage experienced happiness beyond words. All kids were so happy that they all enjoyed their time with preet. They all ate sweets, played games, danced and sang along.

प्रीत ने उन बच्चों को "नमस्कार मंत्र" भी सीखाया और वह खुश और संतुष्ट था की उसने अपना और पूज्य गुरुदेव का जन्मदिन इतनी अच्छी तरह मनाया। उसने मन ही मन पूज्य गुरुदेव को प्रेरणा देने के लिए शुक्रिया भी किया।

Preet also taught Shree Namaskar Mantra to the kids at orphanage, at night when he returned back he was very happy and satisfied. He thanked Pujya Gurudev for giving him this inspiration.

दुसरी जगह विहान ने अपने लिए सब ब्रेंडेड चीजें खरीद ली, वह बहुत खुश था। लेकिन क्या उसकी यह खुशी हमेंशा रहेगी?

नहीं...

क्योंकी वह स्वार्थी था। विहान सिर्फ अपनी खूशी के लिए ही सोच रहा था।

On the other hand Vihaan bought all branded things for himself. He was happy and satisfied too. Will his satisfaction or happiness last longer?

No...

Because his happiness was bound by selfishness.

दो दिन बाद... After 2 days...

विहान : प्रीत देख मै कितनी सारी अच्छी अच्छी चींजे लेकर आया हुँ। यह चीजें इस्तमाल करके में कितना स्मार्ट लगुँगा। मैं तो बहोत खुश हुँ और तुने क्या खरीदा ?

Vihaan : Preet see I have purchased all branded products. When I will use these products I will look smarter. I am very happy. What did you buy?

प्रीत : मैं अनाथ आश्रम में गया था और मैंने गरीब बच्चों को बहुत सारी चींजे भेंट दी और उनके साथ अच्छा समय बिताया।

Preet : I went to an orphanage with lots of gifts for children there and enjoyed my whole day with them. I am very happy with what I have done. I just can't forget the smile on their faces. I am really happy that my birthday was spent in such a beautiful way.

विहान : Oh so boring! देख मैंने क्या क्या खरीदा... मैंने ब्रेंडेड लेधर जेकेट, विदेशी चॉकलेट, शैम्पू और बहुत कुछ... मैंने फूड कोर्ट में भी खाया।

Vihaan : Oh so boring! See what I bought. I bought branded leather Jackets, imported chocolates, shampoo, etc... Also had snacks at food court.

प्रीत : विहान, तुम कितने नासमज हो। यह सब गलतीयाँ इसलिए हुई क्योंकी तुम्हारे जीवन में गुरु का सानिध्य नहीं है। एक सदगुरु ही तुम्हे सच्ची राह दिखा सकते है। खुशीयाँ पाने की राह पर तुमने कितने कर्मो का बंध किया है, जो तुम्हे नरक गति तक ले जा सकते है।

Preet : Oh dear, you are so innocent, you are not aware of what you have done. This is all because you don't have Guru in your life who can guide you about right and wrong. On the way of buying happiness, you have earned lots of bad karmas and that can directly take you to Narak Gati.

विहान : अरे भगवान! यह तुम क्या कह रहे हो?

Vihaan : Oh my God! What are you saying?

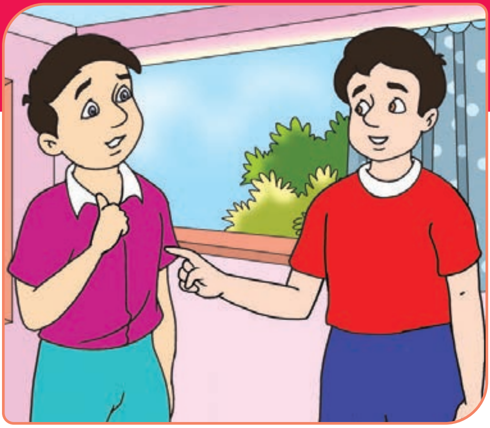

प्रीत : हाँ दोस्त, यह तुम जो लेधर जेकेट लाये हो वह गाय, मगरमच्छ आदि प्राणियों को मारकर उनकी चमडी निकालकर बनाया जाता है और इस में उन्हें बहुत पीड़ा होती है और वह तड़प तड़प कर मर जाते है।

Preet : Yes dear... The leather articles which you have bought is nothing else but the skin of poor animals which is obtained by harshly killing them.

विदेशी चॉकलेट उत्पादन में अंडे और जिलेटीन का उपयोग होता है। जिनमें प्राणियों की हड्डीयों का पावडर भी इस्तेमाल होता है।

Imported chocolates contains egg and gelatin which is also a form of bone powder of animals.

शैम्पू में भी अंडे डालते है और परीक्षण के लिए खरगोश, बंदर आदि जानवरों की आँखो में शैम्पू की बूँद डालते है, जिसके कारण कई जानवर मर जाते है और कई जानवरों की आँखों को नुकशान होता है।

Also shampoo are medically tested on animals like Rabbit, Monkey etc. During testing drops of shampoo are put in their eyes, in this process, due to tremendous burning sensation many animals die or become blind.

फर के तकिये बनाने के लिए भेड़ जैसे मासूम प्राणियो की त्वचा से फर निकाला जाता है।

The furry pillow is made from removing fur from animal like sheep.

Veg and Non-veg Hotel में खाने से पहले यदि उनके किचन में एक बार देखें तो वहाँ भोजन करना पसंद नहीं करेंगे।

If you visit the kitchen of restaurants serving veg and non-veg food you will never enter such a place again.

एक मोती बनाने के लिए बड़ी बेरहमी से, समुद्र के अंदर जो "छीप" नाम का आवरण होता है, उसे तोड़कर उसमें से मोती निकाला जाता है। एक मोती बनाने में छीप को हजारों साल लगते है।

A shell named "cheep" is found deep in the ocean which takes thousands of years to make a pearl. To obtain this pearl, this shell is broken rudelessly.

ब्रश बनाने के लिए घोड़े, गाय और सूअर के बालों का इस्तमाल किया जाता है।

To make a brushes, body hair of many animals like Horse, Cow and Pig are used.

विहान : अरे प्रीत! मैंने ये क्या कर दिया... मैंने सारे रुपये बरबाद कर दिए।

Vihaan : Oh no preet ! What I have done... I have totally wasted my money.

प्रीत : कोई बात नही विहान, तुम्हें अपनी गलती का एहसास है, वह काफी है। हम वह Mall में जाकर उन सारी चीजों का आदान प्रदान कर देंगे।

Preet : Don't worry Vihaan. Important is that you are sorry from the bottom of your heart. Don't use such things and we will go back to the mall to exchange all the products.

विहान : हाँ अवश्य प्रीत! हम यहीं करेंगे और हम दोनो पूज्य गुरुदेव के दर्शन के लिए भी जाएँगे। उन्होंने ही हमें सही राह बतायी और अनंता कर्मो का बंध करने से बचाया है।

Vihaan : Yes definately Preet! We will do that and will also go for Pujya Gurudev's darshan afterall he is the one who has showed us the right path and saved us from binding Karmas.

अबोल जीव कर रहे है पुकार... जरा करो हमारा विचार...
चलते-फिरते, खाते-पिते पहले करो आप मनन,
विनय विवेक के साथ करो हमारा जतन...
जुते-चप्पल पहन ने से पहले... उसे करो साफ,
जीवदया और अहिंसा, यह तो है भवो भव का साथ...
होगा जो आपके पास जीवदया का थोडा ज्ञान
मिल जाएगा हम जैसे जीवों को थोडा अभयदान...

Vinay (Respect)

Respect means a positive feeling of the admiration for a person or for the nation or a religion. We should respect each and everyone equally. Respect is ladder to achieve success.

Shist (Discipline)

Discipline is self-control. Being self disciplined to some extent means being self motivated. We should never forget to be disciplined and always behave nicely wherever we go.

Qualities We Should Imbibe In Ourselves!

Samarpanta (Dedication)

Dedication is the quality of being committed to a task or purpose. It also means to be enthusiastic towards our religion. We should always give our best for work of our religion.

Daya (Mercy)

Compassion or forgiveness shown towards the one who desires to relieve the sufferings is Mercy. We should always be compassionate towards all the living beings.

Samta (Equanimity)

Equanimity is the quality of being calm. The quality of being undisturbed after experiencing bad emotions, pain and also other phenomenon that may cause to lose balance of one's mind.

Maitri (Friendship)

Friendship means being kind to every living being. It is the quality of behaving as a friend. We should be unreserved, good natured and kind hearted to be friendly with everyone.

Qualities We Should Imbibe In Ourselves!

Sadhana (Practice)

It is said that, "Practice makes a man perfect". The practice of applying ideas, beliefs or methods, learned in our life helps one to reach their goal and achieve success in life.

Gyan (Knowledge)

Knowledge is the quality of being aware. It also means skills acquired through experience or education. Knowledge can be theoretical as well as practical understanding of any topic.

Let's Pledge!

Points To Remember

Unscramble the correct words...

1) Leather Jackets is made from skin of (OWC). ________________

2) Hand bags are made from skin of (KENSA). ________________

3) Beauty products are tested on animals like (BTRIAB). ________________

4) Special ointment for body spray is obtained from (REDE). ________________

5) 1 gm of silk is obtained by killing thousands of (MKROLWIS). ________________

6) Pearl found in deep ocean, is obtained from (PHIC LHESL). ________________

7) Attractive fur scarf's are made from skin hair of (EPHSE). ________________

8) Fancy texture vallets are made from skin of (LEDIOROCC). ________________

Let's all pledge to avoid using these products which cause harm and pain to other living beings.

Ayushmaan Bhava
A Blessing For A Lifetime Of Good Health Is Born With Your Baby
Preserve Your Baby's Umbilical Cord Stem Cells At Birth
Now At Just ₹9990*

LifeCell™
Call 1800 419 5555 | SMS 'LIFECELL' TO 53456 | www.lifecell.in
*Terms & Conditions Apply

Pen down your thoughts!

Learn And Write!

Here comes a great opportunity for all the little kids to learn this edition & write what they learnt from "Manavta Mahotsav Edition"!

Moral of "Manavta Mahotsav"

मीत्ती में सव्व भुऐसु

All are my friends

Answers of Activity-Lets Pledge

1) Cow	2) Snake
3) Rabbit	4) Deer
5) Silkworm	6) Chip Shell
7) Sheep	8) Crocodile

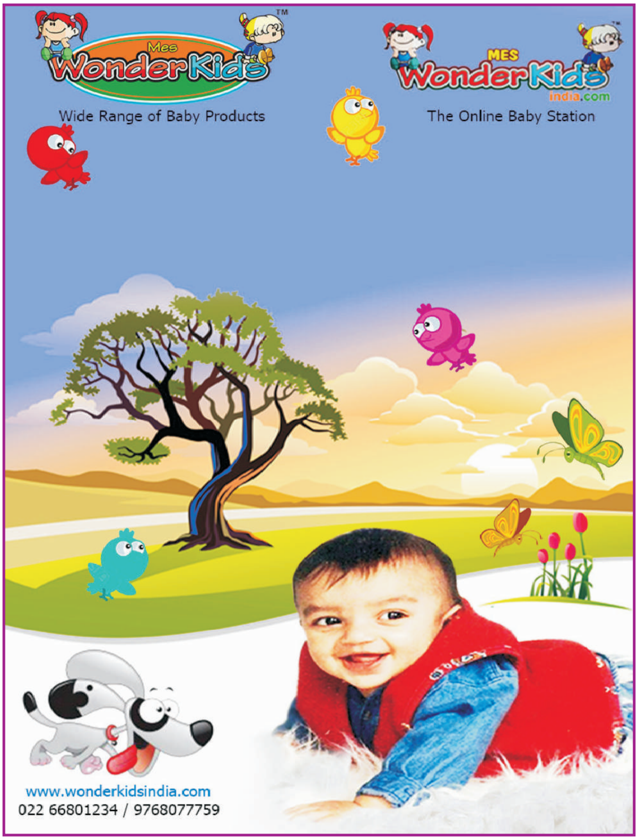

Build Your Vocabulary!!!
Dictionary
The Marvellous 'M'

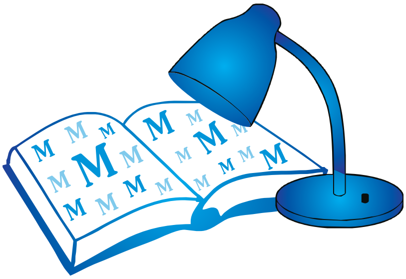

M - Marudevi
Rushabh Dev Bhagwan's Mother

M - Mala
We should Get Mala from Gurudev

M - Mahavideh Kshetra
Tirthankar are always present in Mahavideh Kshetra

M - Moksha
The ultimate destination of a soul

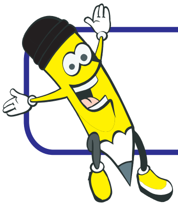

Find out and make a list of more Divine words starting with letter "M"

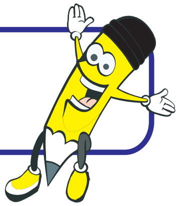

Mahavir Swami

भक्तामर गाथा

बुद्धया विनाऽपि विबुधार्चित पादपीठ, स्तोतुं समुद्यत मतिर्विगत त्रपोऽहम्
बालं विहाय जल संस्थित मिन्दु बिम्ब, मन्य: क इच्छति जन: सहसा ग्रहीतुम् ।।३।।

Buddhya Vinaapi Vibudhar Chita Padapitha, Stotum Samudyata Matirvigata Trapoaham |
Balam Vihaya Jala Sansthita Mindu Bimba, Manyah ka Ichchhati Janah Sahasa Grahitum || 3 ||

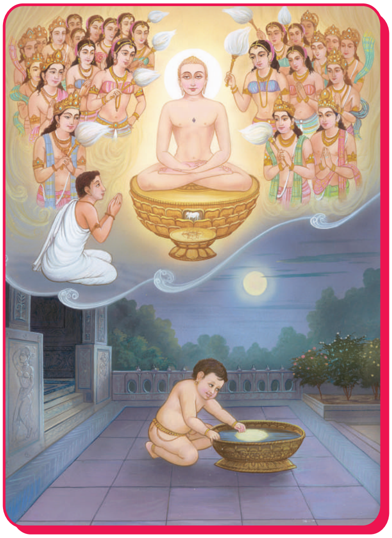

Meaning :

देवों के द्वारा पूजित हैं सिंहासन जिनका, ऐसे हे जिनेन्द्र, मैं बुद्धि रहित होते हुए भी निर्लज्ज होकर स्तुति करने के लिये तत्पर हुआ हूँ, क्योंकि जल में स्थित चन्द्रमा के प्रतिबिम्ब का बालक को छोड़कर दूसरा कौन मनुष्य सहसा पकड़ने की इच्छा करेगा? अर्थात् कोई नहीं।

Oh Lord! The Devas have bowed down in your pious feet in adoration. Oh Lord! A full moon in the sky is reflected in the lake. How beautiful does it seems. A child will crave and dare to pick the moon from the lake. Lord! I am Your kid; and so not ashamed to prays to you.

भक्तामर स्तोत्र की स्तुति से दृष्टि दोष दूर होता है।

Registered with Registrar of Newspapers under RNI No. MAH MUL/2011/40056
Vol. : 8, Issue : 04, Date : 25.09.2016, Postal Registration No. MNE/171/2015-17.
Date of Posting / Date of Publication 10th & 25th of every month.
Look N Learn - Posted at Mumbai patrika channel sorting office Mumbai -1

માનવતા મહોત્સવ

Once in a year, this day arrives...

When everyone is happy

And there are no frowns around...

Once in a year, this day arrives...

When the await ends

And there is finally the real reason to be happy...

Once in a year, this day arrives...

When it is my Gurudev's Birthday!

And we Gurubhakts rejoice...

Publisher, Printer and Owner Ashok R. Sheth, Printed at : Accurate Graphics Pvt. Ltd.,
15-A, Samrat Mill Compound, L.B.S Marg, Vikhroli (W), Mumbai - 400 079.
Publish at Mumbai : 20, Vanik Nivas, Kama Lane, Ghatkopar (W), Mumbai - 86. Editor : Ashok R. Sheth